पुणा International School

Shree Swaminarayan Gurukul, Zundal

Claas-IV

Hindi

Specimen copy

Year- 2021-22

Semester- 1

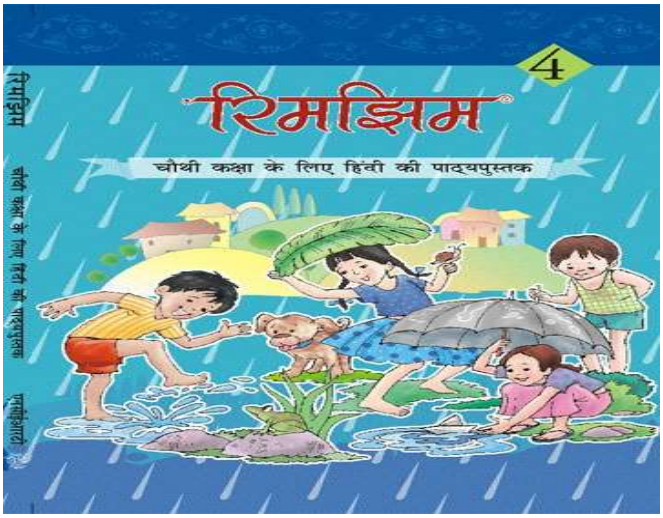

पाठः५
दोस्त की पोशाक

पाठ का सार : नसीरुद्दीन अपने बहुत पुराने दोस्त जमाल साहब से मिलकर बहुत खुश हुए। कुछ देर गपशप करने के बाद, उन्होंने दोस्त के साथ मोहल्ले में घूमने की इच्छा जाहिर की। जमाल साहब ने जाने से मना कर दिया। उन्होंने कहा कि वे इस मामूलीसी पोशाक में - लोगों से नहीं मिल सकते। इतना सुनना था कि नसीरुद्दीन तुरंत उनके लिए अपनी एक भड़कीली अचकन निकाल कर लाए और कहाइसमें तुम खूब अच्छे लगोगे।-

बनठन करके दोनों घूमने निकले। दोस्त को लेकर नसीरुद्दीन पड़ोसी के घर गए। पड़ोसी से अपने दोस्त का परिचय कराते हुए उन्होंने यह भी बता दिया कि दोस्त द्वारा पहनी हुई अचकन उनकी है। यह सुनकर जमाल साहब का मुँह बन गया। उन्होंने (नसीरुद्दीन) क्या यह बताना जरूरी था कि यह अचकन तुम्हारी है-नसीरुद्दीन से कहा? तुम्हारा पड़ोसी सोच रहा होगा कि मेरे पास अपने कपड़े भी नहीं हैं। नसीरुद्दीन ने अपनी गलती स्वीकार कर ली।

बनठन करके दोनों घूमने निकले। दोस्त को लेकर नसीरुद्दीन पड़ोसी के घर गए। पड़ोसी से अपने दोस्त का परिचय कराते हुए उन्होंने यह भी बता दिया कि दोस्त द्वारा पहनी हुई अचकन उनकी । उन्होंने है। यह सुनकर जमाल साहब का मुँह बन गया (नसीरुद्दीन) नसीरुद्दीन से कहाक्या यह बताना जरूरी था कि यह अचकन तुम्हारी है-? तुम्हारा पड़ोसी सोच रहा होगा कि मेरे पास अपने कपड़े भी नहीं हैं। नसीरुद्दीन ने अपनी गलती स्वीकार कर ली।

अब नसीरुद्दीन अपने दोस्त को हुसैन साहब से मिलवाने ले गए। हुसैन साहब ने जब जमाल साहब के बारे में पूछा। तो नसीरुद्दीन ने कहाजमाल साहब मेरे दोस्त हैं और इन्होंने जो - अचकन पहनी है वह इनकी अपनी ही है। जमाल साहब फिर नाराज हो गए। उन्होंने नसीरुद्दीन से कहा कि पोशाक के बारे में कुछ नहीं कहना ही अच्छा है। अतः तुम इस विषय में चुप रहोगे। नसीरुद्दीन जमाल साहब को लेकर आगे बढ़े और एक अन्य पड़ोसी से उनका

परिचय करवायाये हैं मेरे बहूत पुराने दोस्त-, जमाल साहब। इन्होंने जो अचकन पहनी है उसके बारे में मैं कुछ नहीं बोलूंगा।।

कठिन शब्दः

- नसीरुदीन
- गपशप
- भड़कीली
- पड़ोसी
- अक्ल
- स्वागत
- परिचय
- घड़ा
- अचकन
- बनठन

शब्दार्थः

- गपशप : बातचीत
- बनठन कर : सजधज कर
- मुलाकात : भेंट
- मामूली : साधारण
- परिचय करवाना : किसी से मिलवाना
- दोस्त :मित्र
- गलती : भूल
- नाराज होना : गुस्सा होना

निम्नलिखित प्रश्नों के वैकलिपक प्रश्न के उत्तर लिखिए।

१- नसीरुदीन किससे मिलकर बड़े खुश हुए?

उत्तर : (क) पडोसी से **(ख) पुराने मित्र से**

(ग) भाई से (घ) बेटे से

२-जमाल साहब की पोशाक कैसी थी?
उत्तर : (क) भड़कीली (ख) सुंदर

(ग) गंदी **(घ) मामूली**

३- नसीरुदीन और जमाल साहब कहाँ घूमने गए?
उत्तर : **(क) मोहल्ले मे** (ख) बाजार

(ग) खेत मे (घ) चिड़ियाघर

४-जमाल साहब ने जो अचकन पहनी थी,वह वास्तव मे किसकी थी?
उत्तर : (क) जमाल साहब की **(ख) नसीरुदीन की**

(ग) भाई की (घ) हुसैन साहब की

निम्नलिखित प्रश्नो के अतिलघु उत्तर लिखिए।

१- नसीरुदीन के मित्र का क्या नाम था?

उत्तर : नसीरुदीन के मित्र का नाम जमाल साहब था।

२- नसीरुदीन अपने मित्र के लिए क्या लाए?

उत्तर : नसीरुदीन अपने मित्र के लिए भडकीली अचकन लाए।

३- नसीरुदीन अपने मित्र को लेकर सबसे पहले किससे मिलने गए?

उत्तर : नसीरुदीन अपने मित्र को लेकर सबसे पहले अपने पडोसी से मिलने गए।

४- नसीरुदीन और उनके मित्र कितने लोगों से मिले?

उत्तर : नसीरुदीन और उनके मित्र तीन लोगो से मिले।

निम्नलिखित प्रश्नो के लघु उत्तर लिखिए।

१-जमाल साहब लोगो से क्यों नही मिलना चाहते थे?

उत्तर : जमाल साहब लोगो से नही मिलना चाहते थे क्यो कि उनकी पोशाक मामूली थी।

२- नसीरुदीन के पडोसी ने उनके मित्र की असलियत कैसे जानी?

उत्तर : नसीरुदीन ने अपने मित्र का परिचय कराते हुए उनके मित्र की पोशाक की असलियत बता दी।

३- नसीरुदीन ने अंत मे अपने मित्र का परिचय किससे और किस प्रकार करवाया?

उत्तर :अंत मे नसीरुदीन ने एक अन्य पडोसी से अपने मित्र का परिचय कराया और पोशाक के लिए कहा की मै कुछ न बोलू वही अच्छा है।

निम्नलिखित प्रश्नो के दीर्घ उत्तर लिखिए।-

१-नसीरुदीन ने जमाल साहब को घूमने के लिए कैसे तैयार किया?

उत्तर : नसीरुदीन ने जमाल साहब को घूमने के लिए अपनी भडकीली अचकन पहनाकर तैयार किया।और अपने सारे मित्रो से मिलवाने उनके घर ले गए।

२- नसीरुदीन दूसरी बार अपने मित्र के साथ कहाँ गए और वहाँ उनका परिचय किस प्रकार करवाया?

उत्तर : नसीरुद्दीन दूसरी बार अपने मित्र के साथ हुसैन साहब के यहाँ पर गए।और वहाँ पर उनका परिचय कराते हुए कहा कि यह मेरे पुराने दोस्त है और इन्होने जो अचकन पहनी है वह इनकी अपनी ही है।

सही कथन पर सही और गलत पर गलत का निशान लगाए।

१- नसीरुद्दीन की जमाल साहब से नई-नई दोस्ती हुई थी। (गलत)
२-जमाल साहब भड़कीली अचकन पहनकर निकले। (सही)
३- नसीरुद्दीन की बात को सुनकर जमाल साहब पर घड़ो पानी पड़ गया। (सही)
४-हुसैन साहब नसीरुद्दीन के घर गए थे। (गलत)

रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए।

१-जमाल साहब ने मोहल्ले मे घूमने से **मना** कर दिया।
२-- नसीरुद्दीन की जमाल साहब से कई सालों बद **मुलाकात** हुई थी।
३-तुम्हारा **पडोसी** सोच रहा होगा कि मेरे पास अपने **कपडे** है ही नही
४-पोशाक के बारे मे न कहना ही **अच्छा** है।

व्याकरण विभाग

वचन

वचनः शब्द के जिस रुप से उसके एक या अनेक होने का बोध होता है, उसे वचन कहते है।
वचन का अर्थ होता है-संख्या बताने वालां

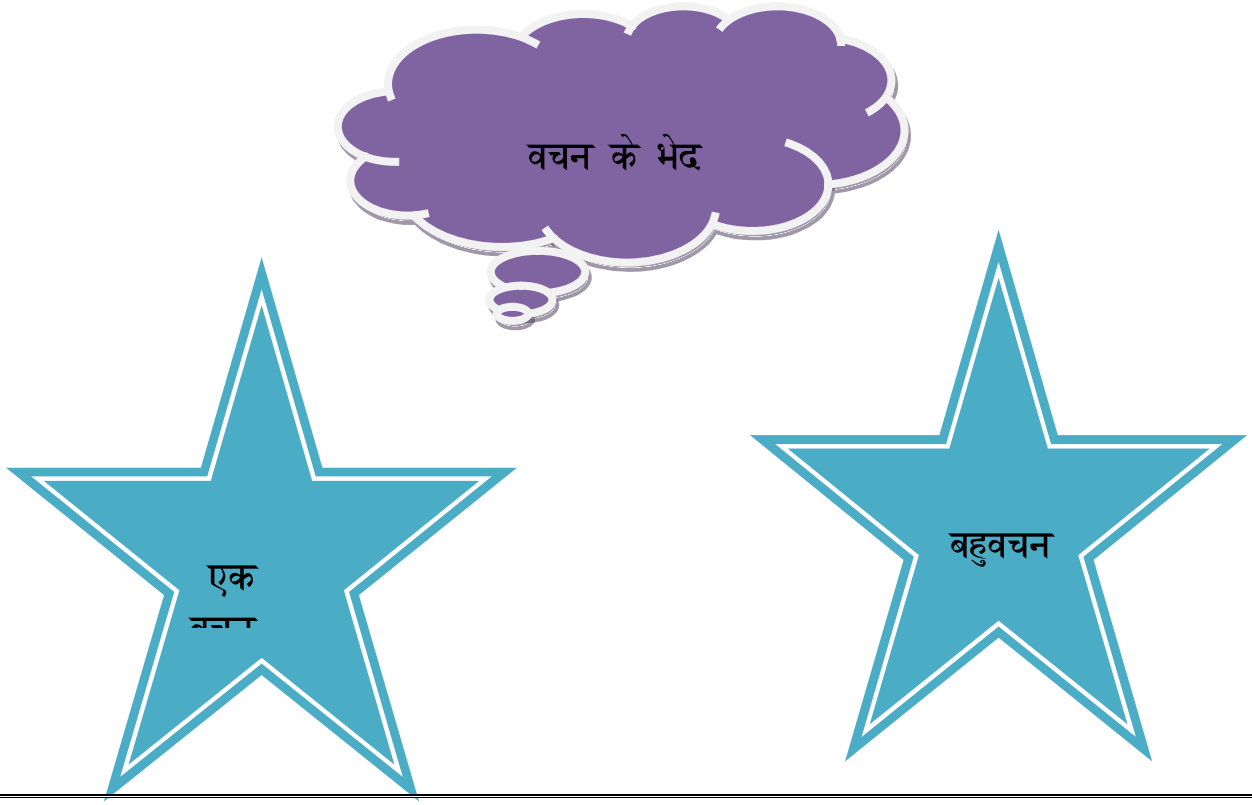

एकवचन : शब्द का वह रूप जो एक प्राणी ,एक वस्तु अथवा एक पदार्थ का बोध कराता है, उसे **एक वचन** कहते है।

उदाहरण :

- **लडकी** सो रही है।
- **नदी** बह रही है।
- मानसी ने **माला** पहनी है।
- **माँ कहानी** सुना रही है।
- हाथी **गन्ना** खा रहा है।
- **बच्चा** खेल रहा है।

बहुवचन : शब्द का वह रूप जो एक से अधिक प्राणी, वस्तुओ अथवा पदार्थो का बोध कराता है उसे **बहुवचन** कहते है।

उदाहरण :

- **लड़कियाँ** सो रही है।
- **नदियाँ** बह रही है।
- मानसी ने **मालाएँ** खरीदी है।
- **बच्चे** खेल रहे है।
- हाथी **गन्ने** खा रहा है।
- **माँ कहानियाँ** सुना रही है।

लेखन विभाग
संवाद लेखन

हामिद और दुकानदार का संवाद

हामिद- यह चिमटा कितने का है ?

दुकानदार- यह तुम्हारे काम का नहीं है जी।

हामिद- बिकाऊ है कि नहीं ?

दुकानदार- बिकाऊ नहीं है और यहाँ क्यों लाद लाये है ?

हामिद- तो बताते क्यों नहीं, कै पैसे का है ?

दुकानदार- छे पैसे लगेंगे।

हामिद- ठीक बताओ।

दुकानदार- ठीकठीक पाँच पैसे लगेंगे-, लेना हो तो लो, नहीं तो चलते बनो।

हामिद- तीन पैसे लोगे ?

प्रवृत्तिः नसीरुदीन का चित्र बनाए ।

पाठः६

नाव बनाओ नाव बनाओ

लेखकः हरिकृष्णदास गुप्त

पाठ का सार : बरसात का मौसम है। बारिश होने वाली है एक बच्चा अपने भैया से नाव बनाने को कहता है। वह कहता है कि आकाश में बादल छाए हुए हैं। उनमें सात (बादलों में) समुद्र का पानी भरा है। अतः वह अपने भैया से रस का सागर भर कर लाने को कहता है। उसे लगता है कि बारिश खूब होने वाली है। इसलिए वह काफी उत्तेजित है। वह भैया से गुल्लक से पैसे निकालकर नाव बनाने के लिए रंगबिरंगा कागज लाने को कहता है। वह पानी में नाव तैराएगा और खुब खुश होगा। लेकिन भैया को बारिश और नाव में कोई रुचि नहीं है। वे बोल पड़ते हैं कि यह सबमेरे बस का नहीं है। बच्चा समझ जाता है कि उसके भैया आलस में ऐसा कह रहे हैं। अतः वह उनसे आलस छोड़कर जल्दी आने का अनुरोध कर रहा है।

बरसात का मौसम है। आकाश बादलों से घिरा है। बारिश किसी भी समय हो सकती है। एक बच्चा बहुत उत्तेजित है बारिश के होने की संभावना पर। वह अपने भैया से नाव बनाने को कहता है। वह कहता है कि आकाश में बादल छाएँ हैं। उनमें सात समुद्र का पानी भरा हुआ है। वह पानी कभी भी धरती पर बारिश के रूप में गिर सकता है। वह भैया से कहता है कि वे भी रस का सागर भर कर लाएं। बच्चे को लगता है कि पानी खूब बरसेगा और लंबीचौड़ी गलियों को भर देगा। घर में भी नदी बहा देगा। अतः वह भैया से जल्दी से नाव बनाने का अनुरोध करता है।

बच्चा अपने भैया से नाव बनाने का आग्रह करता है। वह कहता है कि तुम अपनी गुल्लक से पैसे निकालो क्योंकि तुम्हारी गुल्लक भारी है अर्थात् उसमें अधिक पैसे हैं। मेरी गुल्लक हल्की है क्योंकि उसमें पैसे बहुत कम हैं। अपने । गुल्लक से नएनए पैसे लुढ़काते हुए निकाल लो - हरा-और जल्दी से बाजार जाओ। वहाँ से लाल, या नीलापीला चमकीला कागज ले आओ। - बिरंगे कागजों को काटकर नाव बना दो। बच्चा अपने भैया-फिर कैंची से फटाफट इन रंगसे फिर जल्दी करने का आग्रह करता है।

बच्चा अपने भैया से कहता है कि मेरे लिए जल्दी से नाव बना दो। नाव छपछप कर कूड़े से - अड़ती हुई, बारिश की बूंदों और पानी की लहरों से लड़ती हुई आगे बढ़ती जाती है। भैया जल्दी से नाव तैराकर मुझे प्रसन्न कर दो। भैया जल्दी आ जाओ। लेकिन भैया की रुचि कागज लाकर नाव बनाने में नहीं है। वे कहते हैं कि यह काम मेरे बस का नहीं इसपर बच्चा उनसे पूछता है कि अगर यह उनके बस का नहीं है तो फिर किसके बस का है। बच्चो अच्छी तरह जानता है कि भैया बहाना कर रहे हैं। दरअसल वे आलस के कारण ऐसा कह रहे हैं। वह एकबार फिर भैया से आग्रह करता हैभैया आलस छोड़ो और जल्दी से बाजार जाओ और वहाँ - से कागज लाकर मेरे लिए नाव बना दो।

कठिन शब्दः

- नाव
- पानी
- बादल
- समुंदर
- सागर
- गली
- गुल्लक
- रोलो
- चमकीला
- हर्षाओ
- आलस
- आँखो
- रंगीला
- बस

शब्दार्थः

- धरेगा - रखेगा
- गुल्लक - पैसे जमा करने का मिट्टी का डिब्बा
- टटोलो - खोजो
- रोलो - लुढ़काओ
- लपक - झटके, कदम

- खोट - दोष
- हर्षाओ - खुश कर दो
- समुंदर - सागर
- पानी - जल, नीर
- बादल- मेघ

निम्नलिखित प्रश्नों के वैकलिपक प्रश्न के उत्तर लिखिए।

१-बादल कितने समुंदर भर के लाया है?
उत्तरः (क) चार (ख) पाँच
(ग) छः **(घ) सात**

२-कवि किसका सागर भरकर लाने को कहता है?
उत्तरः (क) चार (ख) पाँच
(ग) छः **(घ) सात**

३-कवि के घर के पास की गली कैसी है?
उत्तरः **(क) लंबी-चौड़ी** (ख) संकरी
(ग) टेढ़ी-मेढ़ी (घ)ऊबड़-खाबड़

४-कवि भैया से कैसा कागज़ लाने को कहता है?
उत्तरः (क) सफेद (ख) काला
(ग) **रंग-बिरंगा** (घ) ये सभी

निम्नलिखित प्रश्नो के अतिलघु उत्तर लिखिए।

१-पानी पडने से क्या होता है?

उत्तरः पानी पडने से कीचड़ होता है।

२-कवि की गुल्लक कैसी है?

उत्तरःकवि की गुल्लक हल्की है।

३-नाव बनाने के लिए बाजार से क्या लाना पडेगा?

उत्तरः नाव बनाने के लिए बाजार से रंग-बिरगे कागज लाने पडेगे।

४-कागज की नाव किनसे लडती हुई आगे बढ़ती है?

उत्तरः कागज की नाव लहरो से लडती हुई आगे बढ़ती है।

निम्नलिखित प्रश्नो के लघु उत्तर लिखिए।

१-आकाश मे बादलो के छा जाने से क्या होता है?

उत्तरःआकाश मे बादलो के छा जाने से बरसात होती है।

२-कवि भैया से किसकी गुल्लक से पैसे निकालने के लिए कहता है और क्यों?

उत्तरःकवि की गुल्लक मे पैसे कम है इसलिएकवि भैया से अपनी गुल्लक से पैसे निकालने के लिए कहता है।

३-कवि ने नाव बनाने के लिए क्या- कया चलाने के लिए कहा है?

उत्तरः कवि ने नाव बनाने के लिए कैची, चुटकी और हाथ चलाने के लिए कहा है।

४-काव्यांश मे किस कारण हर्षित होने की बात कही है?

उत्तरः काव्यांश मे नाव के हर्षित होने की बात की है।

निम्नलिखित प्रश्नो के दीर्घ उत्तर लिखिए।-

१-वर्षाऋतु आपको कैसी लगती है? इसमे आपको क्या - क्या करना अच्छा लगता है?

उत्तरः वर्षाऋतु मुझे बहुत अच्छी लगती है क्यो कि वर्षाऋतु मे चाय और पकौडे खाने की मजा आती है। वर्षाऋतु चरो तरफ हरियाली छा जाती है। वर्षाऋतु मे मुझे नहाना बहुत पंसद है।

रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए।

१-बादल **घिर-घिर** कर छा जाते है।
२-भैया की गुल्लक **भारी** है।
३-कागज लेने के लिए भैया को **बाजार** जाना पडेगा।

व्याकरण विभाग
विशेषण

विशेषणः जो शब्द संज्ञा या सर्वनाम की विशेषता बताते है, उन्हे विशेषण कहते है।
विशेषण शब्द जिस संज्ञा या सर्वनाम की विशेषता बताते है, वे विशेष्य कहलाते है।

उदाहरणः

- नीता अच्छी लेखिका है।

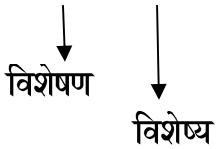

- प्रतिदिन ताजे फलों का सेवन करो।

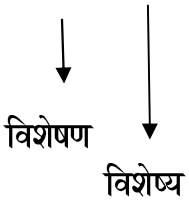

विशेषण के मुख्य चार भेद होते है।

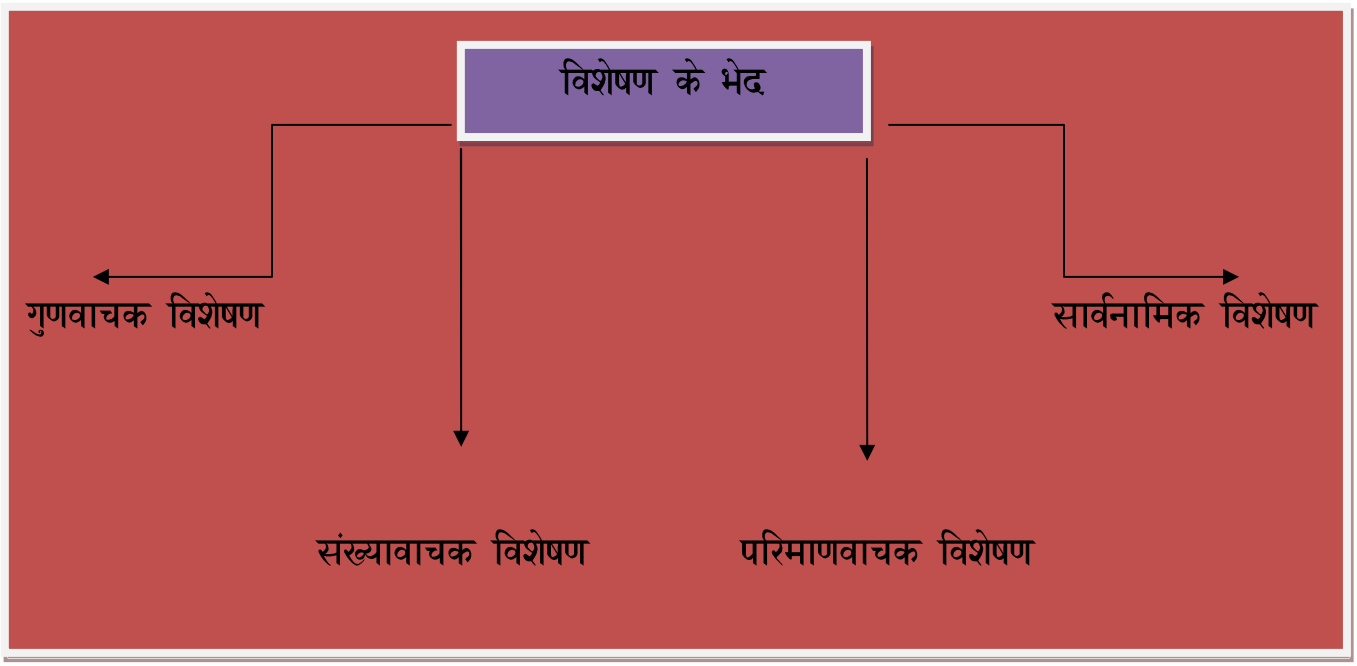

गुणवाचक विशेषण : वे विशेषण शब्द जो संज्ञा या सर्वनाम शब्द के गुण–दोष, रूप–, स्वाद, दशा, अवस्था स्थान आदि का बोथ कराते है, वह गुणवाचक विशेषण कहलाते है।

उदाहरण :

- गीता अच्छी लडकी है।
- यह खेत चौकोर है।
- बाहरी कमरा छोटा है।
- भरत बलशाली बालक था।

संख्यावाचक विशेषण : वे विशेषण शब्द जो संज्ञा या सर्वनाम की संख्या का बोध कराते है, वह संख्यावाचक विशेषण कहलाते है।

उदाहरण :

- तीन लडके खेल रहे है।
- मेले मे हजारो लोग आए थे।

परिमाणवाचक विशेषण : जिन विशेषण शब्दो से किसी वस्तु के माप-तौल संबंधी विशेषता का बोध होता है, वे परिमाणवाचक विशेषण कहलाते है।

उदाहरण :

- वह प्रतिदिन एक लीटर दूध पीता है।
- अधिक परिश्रम करने से स्वास्थ्य बिगड़ जाता है।

सार्वनामिक विशेषण : जिन सर्वनाम शब्दो का प्रयोग संज्ञा के आगे उनके विशेषण के रूप मे होता है, उन्हे सार्वनामिक विशेषण कहते है।

उदाहरण :

- हमारा घर आंनद विहार मे है।
- यह घड़ी पुरानी है।
- यह खेत बहुत छोटा है।

लेखन विभाग
चित्र लेखन

प्र-1-यह चित्र कहाँ का है?

उत्तरःयह चित्र प्राणीसंग्रहालय का है।

प्र-2-चित्र में कौन-कौन से जानवर दिखाई दे रहे हैं?

उत्तरः चित्र मे हाथी, जिराफ और जेबा दिखाई दे रहे है।

प्र-3-चित्र में कौन कौन पिंजड़े में है?

उत्तरः चित्र मे जिराफ और जेबा पिंजड़े में है।

प्र-4-चित्र में कितने जानवरों के बच्चे दिखाई दे रहें हैं?

उत्तरः चित्र मे हाथी, जिराफ और जेबा के बच्चे दिखाई दे रहे है

प्र-5- चित्र में कितने आदमी दिख रहे हैं?

उत्तरः चित्र मे ६ आदमी दिख रहे है

प्रवृत्ति : बच्चे और नाव का चित्र बनाओ ।

पाठः७
दान का हिसाब
सुकुमार राय

पाठ का सार : एक राजा था। वह कपड़ों के ऊपर हजारों रुपये खर्च कर सकता था लेकिन दान नहीं दे सकता था। उसके राज दरबार में गरीबों, विद्वानों, सज्जनों की कोई पूछ नहीं होती थी। एक समय की बात है। उस देश में अकाल पड़ गया। पूर्वी सीमा के लोग भूखेप्यासे मरने - लगे। राजा के पास खबर आई। लेकिन वह यह कहकर सहायता देने से इन्कार कर दिया कि यह तो भगवान की मार है, इसमें मेरा कोई हाथ नहीं है। जब लोगों ने बहुत बिनती की तो वह कहने लगालोग कभी अकाल से पीड़ित होंगे तो कभी भूकंप से। इन प्राकृतिक विपदाओं से - प्रभावित लोगों की सहायता करतेकरते सारा राजभंडार खत्म हो जाएगा। मैं दिवालिया हो - जाऊँगा। राजा की बात सुनकर लोग निराश होकर चले गए। इधर अकाल का प्रकोप बढ़ता जा

रहा था। न जाने कितने ही लोग भूख से मरने लगे। लोग फिर राजा के पास पहुंचे। उन्होंने बहुत विनती की। सिर्फ दस हजार में ही काम चलाने को कहा। लेकिन राजा ने उनकी एक नहीं सुनी। एक व्यक्ति से रहा नहीं गया। बोल पड़ामहल में प्रतिदिन हजारों रुपये सुगंधित वस्त्रों-, मनोरंजन और महल की सजावट में खर्च होते हैं। यदि इन रुपयों में से ही थोड़ासा धन पीड़ितों - को मिल जाए तो उनकी जान बच जाएगी। यह सुनकर राजा को क्रोध आ गया। लोग डर गए और वहाँ से चले गए। उनके जाने के बाद राजा हँसते हुए बोलाइन छोटे लोगों के कारण नाक - में दम हो गया है।

दो दिनों बाद राजसभा में एक बूढ़ा संन्यासी आया। उसने राजा को आशीर्वाद दिया और कहा- संन्यासी की इच्छा पूरी करो। जब राजा ने पूछा कि तुम्हें क्या चाहिए तो संन्यासी बोलामैं - राजकोष से बीस दिन तक बहुत मामूली शिक्षा प्रतिदिन लेना चाहता हूँ। मेरा भिक्षा लेने का नियम इस प्रकार है, मैं पहले दिन जो लेता हूँ, दूसरे दिन उसको दुगुना, फिर तीसरे दिन उसका दुगुना, फिर चौथे दिन तीसरे दिन का दुगुना। इसी तरह से प्रतिदिन दुगुना लेता जाता हूँ। भिक्षा लेने का मेरा यही तरीका है। वह आगे बोलाआज मुझे एक रुपया दीजिए-, फिर बीस दिन तक दुगुने करके देते रहने का हुक्म दे दीजिए। राजा तैयार हो गया। उसने हुक्म दे दिया कि संन्यासी के कहे अनुसार बीस दिन तक राजकोष से उन्हें भिक्षा दी जाती रहे। संन्यासी खुश होकर घर लौट आया।

राजा के आदेशानुसार राज भंडारी संन्यासी को भिक्षा देने लगा। दो सप्ताह तक भिक्षा देने के बाद उसने हिसाब करके देखा कि दान में काफी धन निकला जा रहा है। वह चिंतित हो उठा। उसने यह बात मंत्री को बताई। मंत्री भी चिंता में पड़ गया। उसने भंडारी से बोलायह क्या कर - तो फिर बीस दिनों के अंत में कितने रुपये होंगे !अभी से इतना धन चला गया है !रहे हो? उसने भंडारी को तुरंत हिसाब करने का आदेश दिया। भंडारी ने हिसाब करके बतायादस लाख - अड़तालीस हजारपाँच सौ पिचहत्तर रुपए। सुनते ही मंत्री घबरा गया। सभी उन्हें सँभालकर बड़ी मुश्किलों से राजा के पास ले गए। मंत्री ने राजा को बताया कि राजकोष खाली होने जा रहा है। जब राजा ने पूछा वह कैसे तो मंत्री ने कहामहाराज-, संन्यासी को आपने भिक्षा देने का हुक्म दिया है। मगर अब पता चला है कि उन्होंने इस तरह राजकोष से दस लाख रुपए झटकने का उपाय कर लिया है। राजा के होश उड़ गए।

राजा के आदेश पर संन्यासी को तुरंत राजसभा में बुलाया गया। उसके आते ही राजा रोते हुए उसके पैरों पर गिर पड़ा। बोलामाल से मत मारिए। अगर आप-मुझे इस तरह जान-को बीस दिन तक भिक्षा दी गई तो राजकोष खाली हो जाएगा। फिर राजसंन्यासी ने गंभीर !काज कैसे चलेगा-मुझे अकाल पीड़ितों के लिए केवल पचास हजार रुपए चाहिए। वह रुपया मिलते ही -होकर कहा मैं समझेंगा कि मुझे पूरी भिक्षा मिल गई है। राजा ने रकम कम करने को कहा लेकिन संन्यासी अपने वचन पर डटा रहा। आखिरकार लाचार होकर राजकोष से पचास हजार रुपए संन्यासी को देने के बाद ही राजा की। जान बची।पूरे देश में राजा के दान की खबर फैल गई और सभी अपने राजा की तुलना कर्ण से करने लगे।

कठिन शब्दः

- मुट्टी
- पूर्वी सीमा
- राजभंडार
- सहायता
- खत्म
- महाराज
- व्यकित
- प्रतिदिन
- उपदेश
- मर्जी
- क्रोध
- भिखारी
- जरुरतमंद

शब्दार्थः

- लकदक – भडकीला, मंहगा
- वक्त – समय
- नामी लोग – प्रसिद्र लोग
- खबर – समाचार
- दिवालिया – जिसके पास एक भी पैसा न हो
- प्रकोप – कहर
- गुहार लगाना–प्रार्थना करना
- रकम – रुपया,पैसा
- लोभी – लालची
- हुक्म – आदेश
- मुक्त कर देना – स्वंत्रत करना
- लाचार होना – मजबूर होना

निम्नलिखित प्रश्नों के वैकल्पिक उत्तर लिखिए।

१ : राजसभा मे किस प्रकार के लोग आते रहते है?

उत्तर : (क) विद्रवान (ख) सज्जन

(ग) **नामी** (घ) दुखी

२ : देश मे कौन – सी प्राकृतिक आपदा आ गई थी?

उत्तर : (क) **अकाल** (ख) भूकंप

(ग) बाढ़ (घ) ये सभी

३ : प्रजा ने राजा से कितने रुपये माँगे ?

उत्तर : (क) पाँच हजार **(ख) दस हजार**

(ग) बीस हजार (घ) पच्चीस हजार

४ : किनकी सहायता करना राजा का कर्तव्य होता है?

उत्तर : (क) **जरुरतमंदो की** (ख) अमीरो की

(ग) राजाओ की (घ) राज परिवार की

निम्नलिखित प्रश्नो के अतिलघु उत्तर लिखिए।

१- राजा किस प्रकार के कपड़े पहनता था?

उत्तर : राजा लकदक कपड़े पहनता था।

२ : लोग क्या खरीदकर अपनी जान बचाना चाहता है?

उत्तर :लोग दूसरे देश से अनाज खरीदकर अपनी जान बचाना चाहते थे।

३ : अचानक राजसभा में कौन आ गया?

उत्तर : अचानक राजसभा मे एक सन्यासी आ गया।

४ : भंडारी हड़बडाता हुआ किसके पास गया?

उत्तर : भंडारी हड़बडाता हुआ मंत्री के पास गया।

५ : आखिरकार लाचार होकर राजा को राजकोष से कितने रुपये देने पडे?

उत्तर : आखिरकार लाचार होकर राजा को राजकोष से पचास हजार रुपये देने पडे।

६ : सन्यासी ने राजा की तुलना किससे की?

उत्तर :सन्यासी ने राजा की तुलना दानवीर कर्ण से की है।

निम्नलिखित प्रश्नो के लघु उत्तर लिखिए।

१ : राजसभा मे कौन से लोग नही आते थे?

उत्तर : राजसभा मे गरीब, दुखी, विद्वान और सज्जन लोग नही आते थे।

२ : लोग राजा की कौन सी बात सुनकर निराश होकर लौट गए?

उत्तर : जब राजा ने कहा कि मदद करते करतेराज कोष खाली हो जाएगा और मै भी दिवालिया हो जाऊगाँ

यह बात सुनकर लोग निराश हो गए।

३ : एक व्यक्ति के अनुसार महलो मे प्रतिदिन हजारो रुपये किस पर खर्च होते थेँ?

उत्तर : एक व्यक्ति के अनुसार महलो मे प्रतिदिन हजारो रुपये सुंगधित वस्त्र, मनोरंजन और महलो की सजावट पर खर्च होते है।

४ : राजा किसी को दान देना क्यो नही चाहता था?

उत्तर : राजा किसी को दान देना नही चाहता था क्यो कि वह सारा धन महलो की सजावट पर खर्च करना चहता था।

५ : राजा ने क्रोधित होकर दूत से क्या कहा?

उत्तर : राजा ने क्रोधित होकर दूत से कहा कि तु भिखारी होकर मुझे उपदेश दे रहा है।

६ : सन्यासी ने राजा को आशीर्वाद देते हुए क्या कहा?

उत्तर : सन्यासी ने राजा को आशीर्वाद देते हुए कहा कि महाराज आप को दाता कर्ण के समान माना है।

निम्नलिखित प्रश्नो के दीर्घ उत्तर लिखिए।-

१-राजा का सन्यासी के प्रति क्या हुक्म था? भिक्षा के रुप मे राजा द्वारा सन्यासी को कितने रुपये देने पडते?

उत्तर :राजा का हुक्म था कि सन्यासी के कहे अनुसार बीस दिन तक राजकोष से उन्हे भिक्षा दी जाती रहे।भिक्षा के रुप मे राजा द्वारा सन्यासी को पहले दिन एक रुपया फिर बीस दिन उसके दुगने करके देने पडते।

२-लोग राजा के पास क्यो आएथ थे?एवँ राजा ने उन्हे क्या कहा?

उत्तरःलोग राजा के पास उनके देश मे अकाल पडने के कारण आए थे।राजा ने कहायह तो भगवान की मार है।इसमे मेरा कोई हाथ नही है।

सही कथन पर सही और गलत पर गलत का निशान लगाए।

१-राजसभा मैं गरीब ,दुखी,विद्वान और सज्जन सभी का आदर सत्कार होता था। (गलत)
२-राजा दिल खोलकर दान दिया करता था। (गलत)
३-पूर्वी सीमा के लोग भूखे-प्यासे मरने लगे। (सही)
४-महल मे प्रतिदिन हजारो रुपये सुंगधित वस्त्रो,मनोरंजन और महल की सजावट मे खर्च होते थे। (सही)

रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए।

१-जरुरतमंदो की सहायता करना राजा का कर्तवय होता है।
२-राजसभा मे विद्वान लोग आते रहते थे।
३-पूर्वीसीमा के लोग भूखे-प्यासे मरने लगे।

पयार्यवाची शब्द :

- उपवन : बाग़, बगीचा
- उचित :ठीक, मुनासिब

- उजाला : प्रकाश, रोशनी
- उपवन : बाग़, बगीचा
- उचित : ठीक, मुनासिब

- उपाय : युक्ति, साधन
- किताब : पोथी, ग्रन्थ
- कोयल : कोकिला, पिक
- खून : रक्त, लहू
- गणेश : गणपति, गणनायक
- गुरु : शिक्षक, आचार्य
- चरण : पद, पग
- जगत : संसार, विश्व
- झूठ : असत्य, मिथ्या
- **तालाब** : सरोवर, जलाशय
- **तोता** : सुग्गा , शुक्र

विलोम शब्द :

- अनाथ -सनाथ
- अवनति –उन्नति
- अंतरंग —बहिरंग
- अल्पज्ञ –बहुज्ञ
- अल्पायु —दीर्घायु
- अवनत —उन्नत
- अरुचि –रुचि
- अग्नि — जल
- अपमान –सम्मान
- अति —अल्प
- अंधकार –प्रकाश
- अल्पसंख्यक– बहुसंख्यक
- आधुनिक —प्राचीन
- आचार —अनाचार
- आत्मा —परमात्मा
- आदान —प्रदान
- आकाश —पाताल
- अतिवृष्टि –अनावृष्टि
- अवनि —अंबर
- अनुराग —-विराग
- अनुकूल –प्रतिकूल
- आर्द्र —शुष्क
- आशा —निराशा
- आस्तिक –नास्तिक
- आलोक –अंधकार
- आय –व्यय
- आग्रह –अनाग्रह

व्याकरण विभाग
किया

जिन शब्दो से किसी कार्य के करने का या होने का पता चले, उन्हे किया कहते है।

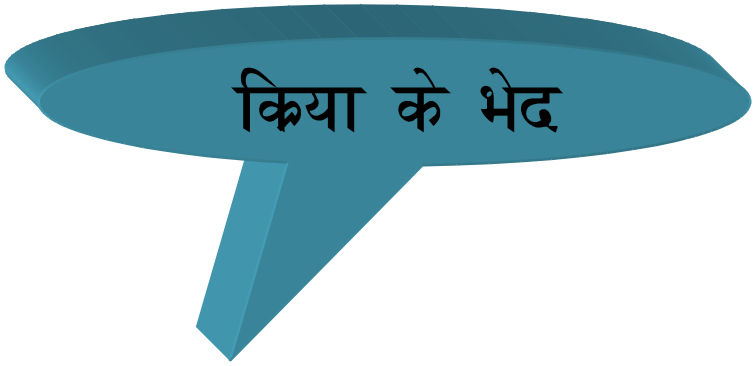

सकर्मक क्रिया

अकर्मक क्रिया

सकर्मक क्रिया : स +कर्म के साथ ।जिन क्रियाओँ के साथ कर्म लगा हो और किंया का फल कर्ता पर न पडकर कर्म पर पड़े, उन्हे सकर्मक क्रिया कहते है।

उदाहरण :

- अध्यापिका पाठ **पढ़ाएगी**।
- माली ने पौधौ को **सीचा**।
- राजा फल **खाता** है।
- राम पुस्तक **पढ़ता** है।
- गाय घास **खाती** है।

अकर्मक क्रिया : अ +कर्म अर्थात कर्म रहित अथवा कर्म के बिना । जिन किंयाओ के साथ कर्म न लगा हो तथा क्रिया का फल कर्ता पर ही पडे,उन्हे अकर्मक क्रिया कहते है।

उदाहरण :

- आकाश मे पक्षी **उड़ रहे है**।
- विनय जोर से **चिल्ला रहा है**।
- गीता **दौडती है**।
- नदी **बहती है**।
- मोर **नाचता है**।

लेखन विभाग

रक्षाबंधन

- रक्षाबंधन हिन्दुओं का प्रमुख पर्व है।
- यह त्योहार भाई-बहन के पवित्र प्रेम का प्रतीक है।
- इस दिन बहने अपने भाइयों की कलाई पर राखी बाँधती हैं और अपने भाई की लंबी आयु की कामना करती हैं।
- भाई अपनी बहन को उसकी रक्षा का वचन देता है।
- यह राखी का त्योहार संपूर्ण भारतवर्ष में मनाया जाता है।
- हम यह पर्व सदियों से मनाते चले आ रहे हैं।
- आजकल इस त्योहार पर बहनें अपने भाई के घर राखी और मिठाइयाँ ले जाती हैं।
- भाई राखी बाँधने के पश्चात् अपनी बहन को दक्षिणा स्वरूप रुपए देते हैं या कुछ उपहार देते हैं।

- इस प्रकार आदान-प्रदान से भाई-बहन के मध्य प्यार और प्रगाढ़ होता है।
- रक्षाबंधन अर्थात् संरक्षण का एक अनूठा रिश्ता, जिसमें बहनें अपने भाइयों को राखी का धागा बाँधती है,
- मित्रता की भावना से भी यह धागा बाँधा जाता है, जिसे हम दोस्ती का धागा भी कहते हैं।
- यह नाम तो अंग्रेज़ी में अभी रखा गया है, लेकिन रक्षा बंधन तो पहले से ही था, यह रक्षा का एक रिश्ता है।
- इसलिए, रक्षा बंधन ऐसा त्यौहार है, जब सभी बहनें अपने भाइयों के घर जाती हैं,और अपने भाइयों को राखी बांधती हैं, और कहती हैं ।"मैं तुम्हारी रक्षा करूंगी और तुम मेरी रक्षा करो"
- और ये कोई ज़रूरी नहीं है, कि वे उनके अपने सगे भाई ही हों, वह अन्य किसी को भी राखी बाँधकर बहन का रिश्ता निभाती हैं।
- तो ये प्रथा इस देश में काफी प्रचलित है, और ये श्रावण पूर्णिमा का बहुत बड़ा त्यौहार है।
- आज ही के दिन यज्ञोपवीत बदला जाता है।
- क्षाबंधन पर राखी बांधने की हमारी सदियों पुरानी परंपरा रही है।
- प्रत्येक पूर्णिमा किसी न किसी उत्सव के लिए समर्पित है।
- सबसे महत्वपूर्ण है कि आप जीवन का उत्सव मनाये।
- सभी भाईयों और बहनों को एक दूसरे के प्रति प्रेम और कर्तव्य का पालन और रक्षा का दायित्व लेते हुए ढेर सारी शुभकामना के साथ रक्षाबंधन का त्योहार मनाना चाहिए।

प्रवृत्तिः राजा के मुकुट का चित्र बनाए।